16/01/25

Q. घोड़े की देखा-देखी मेढक भी नाल ठुकवाने चले।

— यह कहावत जीवन में अनुकरण और उसकी उचितता को लेकर महत्वपूर्ण संदेश देती है। इसका तात्पर्य है कि किसी व्यक्ति या जीव के साथ बिना सोचे-समझे उसकी नकल करने से हमेशा लाभ नहीं होता है, बल्कि अक्सर हानि भी सकती है।

कहावत का अर्थ और व्याख्या :— इस लोकोक्ति में "घोड़ा" एक प्रतीक है जो अपनी मजबूत और सक्रिय स्वभाव के लिए प्रसिद्ध है। घुड़सवारी के लिए घोड़े के पैरों में 'नाल' लगाना आवश्यक होता है, ताकि उसके पैर सुरक्षित रहे और वह अधिक दूरी तक दौड़ सके। दूसरी "मेढ़क" एक छोटा, कमजोर और उछल-कूद करने वाला जीव होता है। जिसे नाल की आवश्यकता नहीं है। यदि मेढ़क घोड़े की देखा-देखी में नाल ठुकवाने चला जाए, तो यह हास्यास्पद स्थिति होगी और उसके लिए नुकसानदायक भी।

→ जीवन में अनुप्रयोग :—

यह कहावत हमें यह सिखाती है कि हर व्यक्ति या जीव अपनी क्षमताओं, सीमाओं और परिस्थितियों के अनुसार कार्य करे। दूसरे की परिस्थितियों को बिना समझे उनके जैसा बनने का प्रयास करना मूर्खता है।

Bihar Naman GS
An Institute For UPSC & BPSC
70th BPSC MAINS CLASS PROGRAM
BATCH
GS-I + GS-II + Essay
Start ON 13 Jan' 2025
1 pm - 5 pm (Per Day 2 Class)
ADMISSION OPEN
Scanned with OKEN Scanner

उदाहरण के लिए यदि कोई छात्र यह देखे कि उसका मित्र एक विषय को पूरे दिन पढ़ाई करता है। और वह भी बिना सोचे समझे उसकी तरह व्यवहार करने लगे तो हो सकता है कि उसकी तरह व्यवहार करने लगे, तो हो सकता है कि उसकी विषय में कोई रुचि न हो। परिणामस्वरूप असफलता हाथ लगे।

समाज में प्रभाव:

आजकल के समाज में चल रही है और फैशन भी इस कहावत को नया रूप दे देते हैं। लोग बिना सोचे-समझे नए चलन अपनाने की होड़ में लग जाते हैं। उदाहरण के लिए, किसी ब्रांड की नई पोशाक को देखकर लोग उसे खरीदने की कोशिश करते हैं, भले ही वह उनके बजट के बाहर हो। इसका परिणाम आर्थिक नुकसान और तनाव के रूप में सामने आ सकता है।

निष्कर्षतः "घोड़े की देखा-देखी मेढक भी नाल ठुकवाने चले"

70th BPSC MAINS CLASS PROGRAM BATCH GS-I + GS-II + Essay Start ON 13 Jan' 2025 1 pm - 5 pm (Per Day 2 Class) ADMISSION OPEN
Bihar Naman GS An Institute For UPSC & BPSC
Scanned with OKEN Scanner

इस कहावत में जीवन में सीमितता और समझदारी का संदेश देती है। यह कहावत हमें सिखाती है कि हमें अपनी सीमाओं क्षमताओं और परिस्थितियों को ध्यान में रखकर फैसले लेने चाहिए। नकल की बजाए अपनी योग्यता और जरूरतों को पहले पहचानकर कार्य करना उचित और लाभकारी है।

Bihar Naman GS
An Institute For UPSC & BPSC
70th BPSC MAINS CLASS PROGRAM
BATCH
GS-I + GS-II + Essay
Start ON 13 Jan' 2025
1 pm - 5 pm (Per Day 2 Class)
ADMISSION OPEN

Scanned with OKEN Scanner